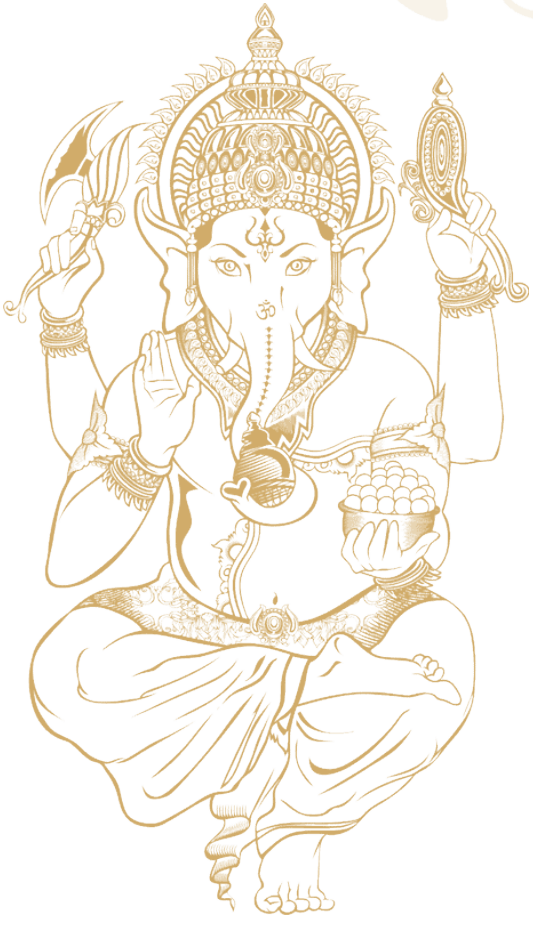

Gunjan Kumari

29 Jan 1995

05:43 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121909505

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**28-29/01/1995**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**05:43:00 घंटे**
इष्ट	56:17:53 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:21:52 घंटे
वेलान्तर	-00:12:53 घंटे
साम्पातिक काल	13:53:00 घंटे
सूर्योदय	07:11:50 घंटे
सूर्यास्त	17:56:26 घंटे
दिनमान	10:44:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	14:49:10 मकर
लग्न के अंश	20:02:48 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	हर्षण
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	धा-धारिणी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	20:02:48	357:42:11	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
सूर्य			मक	14:49:10	01:00:59	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	18:48:36	14:32:39	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल	व		सिंह	04:24:59	00:19:47	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मित्र राशि
बुध	व		मक	26:38:34	00:33:27	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	सम राशि
गुरु			वृश्चि	16:03:52	00:09:42	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	28:37:56	01:05:49	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
शनि			कुंभ	16:56:29	00:06:37	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	16:43:17	00:09:49	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	16:43:17	00:09:49	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			मक	03:19:26	00:03:30	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	---
नेप			धनु	29:49:53	00:02:13	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:28:18	00:01:11	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			तुला	06:34:13	--	चित्रा	--	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:31

लग्न-चलित

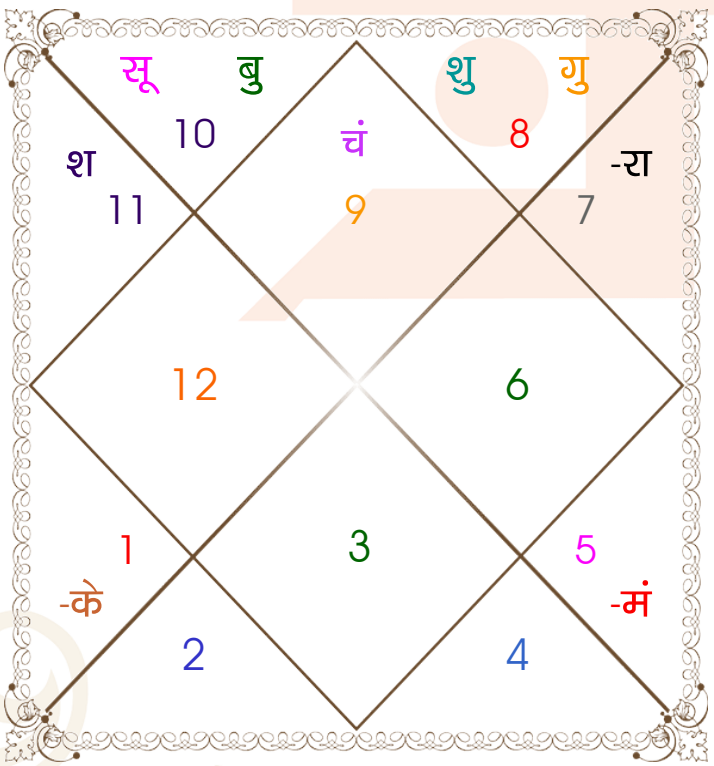

चन्द्र कुंडली

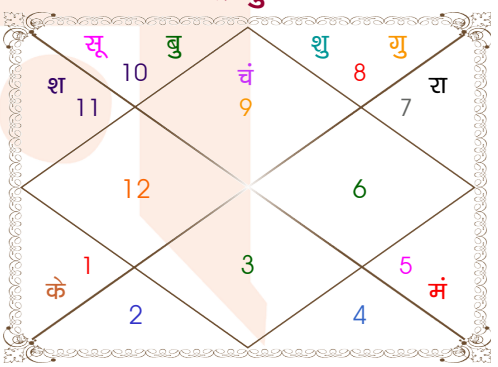

नवमांश कुंडली

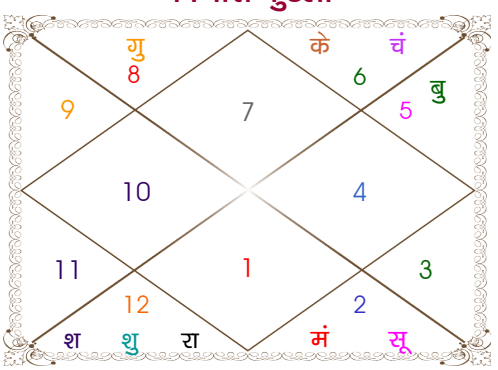

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 9 मास 12 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
29/01/1995		11/11/2006		11/11/2012		11/11/2022		11/11/2029	
11/11/2006		11/11/2012		11/11/2022		11/11/2029		11/11/2047	
	00/00/0000	सूर्य	01/03/2007	चंद्र	11/09/2013	मंगल	09/04/2023	राहु	24/07/2032
	00/00/0000	चंद्र	30/08/2007	मंगल	12/04/2014	राहु	27/04/2024	गुरु	18/12/2034
	00/00/0000	मंगल	05/01/2008	राहु	12/10/2015	गुरु	03/04/2025	शनि	24/10/2037
	29/01/1995	राहु	29/11/2008	गुरु	10/02/2017	शनि	13/05/2026	बुध	12/05/2040
राहु	11/01/1997	गुरु	17/09/2009	शनि	11/09/2018	बुध	10/05/2027	केतु	31/05/2041
गुरु	12/09/1999	शनि	30/08/2010	बुध	11/02/2020	केतु	06/10/2027	शुक्र	30/05/2044
शनि	11/11/2002	बुध	07/07/2011	केतु	11/09/2020	शुक्र	05/12/2028	सूर्य	24/04/2045
बुध	11/09/2005	केतु	11/11/2011	शुक्र	13/05/2022	सूर्य	12/04/2029	चंद्र	24/10/2046
केतु	11/11/2006	शुक्र	11/11/2012	सूर्य	11/11/2022	चंद्र	11/11/2029	मंगल	11/11/2047

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
11/11/2047		11/11/2063		11/11/2082		11/11/2099		12/11/2106	
11/11/2063		11/11/2082		11/11/2099		12/11/2106		00/00/0000	
गुरु	30/12/2049	शनि	14/11/2066	बुध	09/04/2085	केतु	10/04/2100	शुक्र	14/03/2110
शनि	12/07/2052	बुध	24/07/2069	केतु	06/04/2086	शुक्र	10/06/2101	सूर्य	14/03/2111
बुध	18/10/2054	केतु	02/09/2070	शुक्र	04/02/2089	सूर्य	16/10/2101	चंद्र	12/11/2112
केतु	24/09/2055	शुक्र	02/11/2073	सूर्य	11/12/2089	चंद्र	17/05/2102	मंगल	12/01/2114
शुक्र	25/05/2058	सूर्य	15/10/2074	चंद्र	13/05/2091	मंगल	13/10/2102	राहु	30/01/2115
सूर्य	13/03/2059	चंद्र	15/05/2076	मंगल	09/05/2092	राहु	31/10/2103		00/00/0000
चंद्र	12/07/2060	मंगल	24/06/2077	राहु	26/11/2094	गुरु	06/10/2104		00/00/0000
मंगल	18/06/2061	राहु	30/04/2080	गुरु	03/03/2097	शनि	15/11/2105		00/00/0000
राहु	11/11/2063	गुरु	11/11/2082	शनि	11/11/2099	बुध	12/11/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 11 वर्ष 9 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल में हुआ था। आपके जन्म लग्न के उदय के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका यह जन्म लग्नादिक संयोजन आपके आदर्श जीवन की आधारशिला आनंदपूर्ण पराकाष्ठा का सृजन करता है, जो आपके जीवन के लिए सुखद एवं उन्नति कारक प्रतीत होता है। आप स्वाभाविक रूप से निष्कपट महिला है। परंतु जन सामान्य के मध्य "जैसे को तैसा" वाले सिद्धांत की अनुयायी हैं। आप विश्वसनीयता पूर्वक निश्चित जीवन व्यतीत करेंगी।

आप प्रायः सदैव ही अपने पक्ष की रूपरेखा तैयार करने में लगे रहती हैं। आप आकर्षक व्यक्तित्व एवं उत्तम स्वास्थ्य के संबंध में सौभाग्यशाली हैं। आप थोड़ी शिक्षा प्राप्त करके भी बैल की सींग जैसी पैनी कार्य क्षमता द्वारा अपनी सफलता हेतु कार्य संपादन करती रहेंगी। आपमें जन्मजात अंतर्ज्ञान एवं शक्ति विद्यमान है। आप अपनी कार्य योजना के कार्यान्वयन हेतु पूर्व ही सभी तथ्यों का अध्यापन कर हर दृष्टिकोण से तत्पर रहती हैं एवं अपनी कार्य योजना पूर्णरूपेन संपन्न करने में सक्षम हो जाती हैं।

आप किसी भी तरह दो प्रकार चाल की विशेषताओं से मुड़ने की प्रवृति रखती हो। पहली बात तो यह है कि आप जूआ के प्रलोभन में फंसकर संतुष्ट होना चाहती हो। परिणाम स्वरूप क्षति उठानी पड़ती है। दूसरी बात यह कि आप धारा प्रवाह बात चीत करती हो। इस कारण मानवीय स्वाभाविक विश्वसनीयता अन्य लोगों की दृष्टि में नष्ट हो जाती है। आप सदैव स्पष्ट रूप से किसी भी बात को जन सामान्य के मध्य प्रकट कर के अन्यों के द्वारा छेड़-खानी की शिकार बनती हो। आप सदैव अपनी पैनी तीक्ष्ण शाब्दिक उच्चारण करके अन्य लोगों की आत्मा पर चोट पहुंचाती हो। इस कारण आप जब कभी अपना मैत्री पूर्ण अधिकार जताना चाहती हो तो तुम्हारे मित्र इस बातों का बहिष्कार करते हैं।

आप वैदेशिक लोगों के प्रति आकर्षित रहती हो। आप सदैव उनसे परिचय एवं संपर्क बढ़ाना चाहती हो एवं उनको अपनी दृष्टि में उच्चतम बनाकर अपना लेना चाहती हो। यदि आप सर्तकता पूर्वक वार्तालाप कर सम्पर्क में ले आएं तो यह संभाव्य है कि आप वैदेशिक भ्रमण कार्य पूरा कर सकती हैं।

आप निःसंदेह एक सुंदर भवन की स्वामी होंगे तथा अपनी प्यारी पत्नी एवं व्यवहार कुशल संतान से सुखी रह सकती हैं। परंतु आपमें बाहर भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है क्योंकि आप खेल-कूद तथा भ्रमण कार्य में व्यस्त रहकर घर से बाहर रहती हैं। अस्तु आप घर-गृहस्थी के लिए सक्षम नहीं हैं।

आपके लिए कार्य व्यवसायों में अनुकूल एवं शानदार कार्य, कंपनी लॉ, वैदेशिक लोगों के साथ व्यापार संबंध स्थापित करना, शैक्षणिक कार्य, राजनीति कार्य एवं शैक्षणिक संबंधी कार्य एवं धार्मिक संस्थान के कार्य उत्तम हैं।

यदि आप निम्नांकित निर्देशों को ध्यान में रखकर कार्यों का प्रस्तुतीकरण करें तो

बिना किसी भी व्यवधान के सफल हो जाओगी।

आपके लिए अंको में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुकरणीय है। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

आपके लिए लाल, मोतिया एवं काले रंग को छोड़ कर शेष सफेद, क्रीम रंग, सूआपंखी रंग, नीला, हरा एवं नारंगी शुभ एवं अनुकूल हैं।